By
Rahul Kumar Jha
Dept.of Political Science

Lecture-1

Topic – Comparative study of India & U.K party system

Class – B.A. Degree – II (Sub.) Unit-6

Subject – Political Science

Date – 18 May, 2020

By Rahul Kumar Jha.

भारत और ब्रिटेन के दलीय पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन :–

यद्यपि भारतीय शासन व्यवस्था का अधिकांश स्रोत ब्रिटिश संसदीय व्यवस्था है तथापि दोनों देश के दलीय पद्धति में समानता के साथ-साथ असमानताएं भी है –

(i) दलीय पद्धति के प्रकृति के आधार पर :– ब्रिटेन में द्विदलीय प्रथा है अर्थात वहाँ प्रधानतः दो दल ही शासन व्यवस्था में भाग लेती है। ब्रिटिश शासन व्यवस्था में प्रारंभ से ही सामान्यतया दो दल की ही प्रधानता रही है जबकि दूसरी

तरफ भारत में आजादी के बाद से ही बहु-दलीय शासन पद्धति रहा है अर्थात शासन व्यवस्था में अनेक दल भाग लेती है। यहां एक दल की सरकार के साथ-2 दो दल की तथा अनेक दल मिलकर गठबंधन की सरकार भी बनाती है।

(ii) दलीय अनुशासन की दृष्टि से :- ब्रिटेन में राजनीतिक दलों में सांगठनिक अनुशासन और राजनीतिक मूल्य पाया जाता है। राजनीतिक दल अपनी नीतियों व लक्ष्यों के प्रति न सिर्फ सैद्धांतिक, बल्कि व्यवहारिक रूप से भी प्रतिबद्ध होते हैं। दूसरी तरफ अगर हम भारत में राजनीतिक दलों में मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को देखें तो हमें पता चलता है कि आजादी से अबतक निरंतर ह्रास होता दिखाई दे रहा है। राजनीतिक दलों में विचारधारा, नीतियों, लक्ष्यों, मूल्यों के प्रति सिर्फ सैद्धांतिक प्रतिबद्धता ही होती है व्यवहारिक नहीं।

(iii) दल-बदल की दृष्टि से :- ब्रिटिश राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता अपने दलों के नीतियों सिद्धांतों व मूल्यों के प्रति समर्पित होते हैं इसलिए वहां सामान्यतया दल-बदल की प्रवृत्ति नहीं देखी जा सकती है दूसरी तरफ भारत में राजनीतिक दल के कार्यकर्ता अपेक्षाकृत राजनीतिक मूल्यों की जगह सत्ता प्राप्ति को अधिक तवज्जो देते हैं यही कारण है कि भारत में अक्सर दल-बदल की प्रवृत्ति को देखा जा सकता है।

(iv) लूट व्यवस्था की दृष्टि से :- ब्रिटेन में सत्ता परिवर्तन होने पर सामान्यतया नौकरशाही के साथ-साथ अन्य संवैधानिक पद पर कोई परिवर्तन नहीं होता है दूसरी तरफ अगर हम भारत में देखें तो सत्ता परिवर्तन होने पर सत्तारूढ़ दल प्रमुख संवैधानिक पदों पर अपने विश्वसनीय व्यक्ति को पदस्थापित करने का निरंतर प्रयासरत रहते हैं।